बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग - पंचम्   दिनांक -20-07-2020

विषय-हिन्दी।   विषय शिक्षिका -नीतू कुमारी

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

पुनः अध्ययन

संज्ञा

संज्ञा की परिभाषा

किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु आदि तथा नाम के गुण, धर्म, स्वभाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं।

जैसे- श्याम, आम, मिठास, हाथी आदि। या -

वह विकारी शब्द जिससे किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, भाव और जीव के नाम का बोध हो उसे संज्ञा कहते हैं। किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाषा, अवस्था, गुण या दशा के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा शब्द का प्रयोग किसी वस्तु के लिए ना वस्तु के नाम के लिए होता है।

जैसे- हिमालय, राम, हनुमानगढ़, पुस्तक, बीमार, गाय

उदाहरण-

- राहुल और अमित की दोस्ती स्कूल के समय से है।
- गुजरात की राजधानी गांधी नगर है।
- बुढ़ापे का समय सबसे ज्यादा खराब होता है।
- अब तो पानी के भी पैसे देने पड़ते हैं।
- काले घोड़े, सफेद घोड़ों से ज्यादा खूबसूरत होते हैं।
- सच और झूठ के बीच का फर्क ही इंसानियत है।

- मेरे छोटे भाई का नाम आर्यन है।
- मुझे अब किसी पर विश्वास नहीं होता।
- मैं बड़ा होकर फौज़ में जाना चाहता हूं।

संज्ञा के भेद

मुलयतः संज्ञा के तीन भेद होते है|

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा**
2. **भाववाचक संज्ञा**
3. **जातिवाचक संज्ञा**

परन्तु अंग्रेजी व्याकरण के कारन कुछ विद्वान संज्ञा के दो भेद (प्रकार) और मानते है |

1. **द्रव्यवाचक संज्ञा**
2. **समूहवाचक या समुदायवाचक**